Total Pages : 8

K-444

Shastri (Part-II) Examination, 2022

(वर्ग - ख)

(Old Course)

हिन्दी साहित्य

[अष्ट्म प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)]

समय : तीन घण्टा

पूर्णांक : 100

न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 33

निर्देशः सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। प्रश्नों के समक्ष अंक दर्शित हैं।

1. निम्नलिखित अवतरणों में से **किन्हीं तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : [3×10=30]

(क) सब राम भजो, राम भजो, राम भजो भाई।
राम के भजे से गणिका तर गई,
राम के भजे से गीध गति पाई।।
राम के नाम से काम बने सब,
राम के भजन बिनु सबहिं समाई।।

(ख) क्रोध की उग्र चेष्टाओं का लक्ष्य हानि या पीड़ा पहुँचाने के पहले आलम्बन में भय का संचार करना रहता है। जिस पर क्रोध प्रकट किया जाता है, वह यदि डर जाता है और नम्र होकर पश्चाताप करता है, तो क्षमा का अवसर सामने आता है। क्रोध का गर्जन तर्जन क्रोध के पात्र के लिए भावी दुष्परिणाम की सूचना है, जिससे कभी-कभी उद्‌देश्य की पूर्ति हो जाती है और दुष्परिणाम की नौबत नहीं आती।

(ग) तुम मिलोगे भी तो मेरे पास एक पल कहाँ ठहरोगे और ठहरे भी कुछेक क्षण तो बिछुड़ना तो है ही और वह बिछोह और दुस्सह होगा, तुमसे प्रेम करने का अन्तिम परिणाम तुरन्त विरह है। विरह केवल तुमसे ही नहीं, अपने से भी, सब कुछ से भी, जिससे भी जुड़ने का लगाव रहा है।

(घ) मैं सोचता हूँ कि इस नाचीज लता को संदेश कैसे पहुँचता है। थोड़ी दूर पर वह पलाश ऐसा फूल रहा है कि ईर्ष्या होती है। मगर उसे किसने बताया कि बसंत आ गया है?

मैं थोड़ा-थोड़ा समझाता हूँ, बसंत आता नहीं ले आया जाता है। जो चाहे और जब चाहे, अपने पर ले आ सकता है।

(ङ) "इस गँवार औरत की वजह से आज मेरी गर्दन नप गयी मुन्शी जी। वारहाँ मना किया इसे, लेकिन उस आँधी तुफान में भी वह न रुकी। सारी रात दौड़ती-भागती रही और अब बैठकर रो रही है। (चिढ़कर) - जैसे तेरे रोने को असर उन पर पड़ेगा ही। अरे वे आदमी नहीं, नासूर हैं, नासूर।"

2. "अन्धेर नगरी तत्कालीन शासन व्यवस्था व सामाजिक व्यवस्था का जीवन्त चित्र है।" इस कथन की समीक्षा कीजिए। [15]

अथवा

भारतेन्दु की नाट्यकला पर प्रकाश डालिए।

3. 'बसन्त आ गया है' निबन्ध की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए। [15]

अथवा

बाबू गुलाबराय के ललित निबंध 'काव्येशु नाट्यम रम्यम' का सारांश लिखिए।

4. 'औरंगजेब की आखिरी रात' के आधार पर औरंगजेब का चरित्र-चित्रण कीजिए। [15]

अथवा

एकांकी के तत्त्वों के आधार पर 'एक दिन' एकांकी की समीक्षा कीजिए।

5. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर टिप्पणी लिखिए : [5×2=10]

(क) राहुल सांकृत्यायन का कृतित्व

(ख) हबीब तनवीर के पाँच नाटकों के नाम लिखिए।

(ग) 'व्यंग्य विधा और हरिशंकर परसाई'

6. निम्नलिखित अति लघुउत्तरीय प्रश्नों में से **किन्हीं पन्द्रह** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : [15×1=15]

(i) नाट्यशास्त्र की रचना किसने की थी?

(ii) हरिशंकर परसाई जी ने किस पत्रिका का सम्पादन किया था?

(iii) 'नए थियेटर' के निर्देशक का नाम लिखिए।

(iv) 'सरस्वती पत्रिका' का सम्पादन किसके द्वारा हुआ?

(v) विद्यानिवास मिश्र का जन्म कब हुआ था?

(vi) 'एक दिन' एकांकी की नारी पात्र का नाम लिखिए।

(vii) 'अमराई' से जुड़ने का अर्थ किससे जुड़ना होता है?

(viii) "बसन्त आ गया है" निबंध के लेखक का नाम बताइए।

(ix) 'स्ट्राइक' के प्रमुख पात्र का नाम लिखिए।

(x) 'ओ विभावरी' गति के रचयिता कौन हैं?

(xi) नवजागरण का अग्रदूत किसे कहा जाता है?

(xii) 'दस हजार' नामक एकांकी में किस बात का वर्णन है?

(xiii) किस ग्रंथ पर आचार्य रामचन्द्र शुक्ल को मंगला प्रसाद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया?

(xiv) उपेन्द्रनाथ अश्क के एक नाटक का नाम बताइए।

(xv) ललित निबंध के दो लेखकों के नाम बताइए।

(xvi) राजनाथ किस एकांकी का पात्र है ?

(xvii) हिन्दी एकांकी के प्रमुख तत्त्व कितने हैं?

(xviii) राहुल सांकृत्यायन के बचपन का नाम क्या था?

(xix) टिकट बाबू कौन हैं?

(xx) 'माधव हम, परिनाम निरासा' किस निबंध की पंक्ति है।

----x----